B.A. 1st Semester (General) Examination, 2017 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-I / GE-I

Time: 3 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. Instructions for GE-I (Honours student of other discipline)

अधोलिखितेषु *दशप्र*श्नानामुत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य प्रदेयम्। तत्र 'क' विभागत: प्रश्नत्रयम्, 'ख' विभागत: प्रश्नत्रयम्, 'ग' विभागतश्च प्रश्नत्रयम् अवश्यमेव चयनीयम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী হরফে লিখতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *তিনটি*, 'খ' বিভাগ থেকে *তিনটি* এবং 'গ' বিভাগ থেকে *তিনটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে।

Instructions for CC-I (General students)

अधोलिखितेषु *दश* प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तत्र 'क' विभागत: प्रश्नत्रयम्, 'ख' विभागत: प्रश्नत्रयम्, 'ग' विभागतश्च प्रश्नत्रयं चयनीयम्। तेषु द्वयो: संस्कृतभाषया उत्तरमवश्यमेव लेखनीयम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে *তিনটি*, 'খ' বিভাগ থেকে *তিনটি* এবং 'গ' বিভাগ থেকে *তিনটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে *দুটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় অবশ্যই লিখতে হবে।

2×10=20

'क' विभाग:

'ক' বিভাগ

(a) रघुवंशमहाकाव्यस्य रचयिता क:? अत्र कति सर्गा: सन्ति?
রঘুবংশ মহাকাব্যের রচয়িতা কে? এই কাব্যে কয়টি সর্গ আছে?

(b) अयोध्याया: दूतस्य नाम किम्? रामचन्द्र: तं किमपृच्छत्?
অযোধ্যার দূতের নাম কী? রামচন্দ্র তাকে কী জিজ্ঞাসা করেছিলেন?

(c) वैदेहिबन्धो: हृदयं विदद्रे – क: वैदेहिबन्धु:? तस्य हृदयं कथं विदीर्णमभवत्?
বৈদেহি বন্ধু – কে? তার হৃদয় কেন বিদীর্ণ হয়েছিল?

(d) प्रियङ्करो मे प्रिय इत्यनन्दत् – इतिमत्वा का कदा आनन्दिता अभूत्?
প্রিয়ঙ্করো মে প্রিয় ইত্যনন্দত্ – এই বলে কে কখন আনন্দিত হয়েছিল?

(e) ततार सन्धामिव सत्यसन्ध: – अत्र क: सत्यसन्ध:? सन्धा शब्दस्य कोऽर्थ:?
ততার সন্ধামিব সত্যসন্ধ: – এখানে কে সত্যসন্ধ? 'সন্ধা' শব্দের অর্থ কী?

'ख' विभाग:

'খ' বিভাগ

(a) ''किरातार्जुनीयम्'' महाकाव्यस्य प्रसिद्ध टीकाकारस्य तट्टीकायाश्च नाम लिख्यताम्।

''किरातार्जुनीयम्'' মহাকাব্য-এর বিখ্যাত টীকাকারের নাম ও তার টীকার নাম লেখো।

(b) ''किं सखा'' ''किं प्रभु:'' इति पदद्वयस्य अर्थौ लिख्यताम्।

''किं सखा'' ও ''किं प्रभु:'' পদ দুটির অর্থ লেখো।

(c) निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम् — अत्र नयवर्त्म पदेन किं बुध्यते?

निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम् — এখানে 'नयवर्त्म' পদে কী বোঝানো হয়েছে?

(d) 'अरिषड्वर्ग:' क:?

'अरिषड्वर्ग' কী?

(e) तवाभिधानात् व्यथते नतानन: — कस्तावत् नतानन:? कथं वा स नतानन:?

तवाभिधानात् व्यथते नतानन: — এখানে কে নতানন? সে কেন নতানন হয়েছে?

'ग' विभाग:

'গ' বিভাগ

(a) भट्टिकाव्यस्य प्रणेता क:? अस्य काव्यस्य अपरं नाम लिख्यताम्।

ভট্টিকাব্যের রচয়িতা কে? এই কাব্যের একটি অন্য নাম লেখো।

(b) अश्वघोषविरचितमहाकाव्यानां नामानि लिख्यन्ताम्।

অশ্বঘোষ বিরচিত মহাকাব্যগুলির নাম লেখো।

(c) अश्वघोषस्य समयकाल: क:? अयं कस्य सभाकविरासीत्?

অশ্বঘোষের সময়কাল কী? সে কার সভাকবি ছিলেন?

(d) बृहत्त्रयी पदेन किं बुध्यते?

बृहत्त्रयी – পদের দ্বারা কী বোঝো?

(e) ''नैषधचरितम्'' इति महाकाव्ये ''नैषध'' क:? काव्येऽस्मिन् मुख्यरसत्वेन किं सन्निविष्ट:?

''नैषधचरितम्'' – এই মহাকাব্যে ''नैषध'' কে? এই কাব্যের প্রধান রসটি কী?

2. अधोलिखितेषु विभागत्रयेषु न्यूनातिन्यूनं प्रश्नमेकमाश्रित्य *चतुर्णां* प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम्। तेषु *प्रश्नद्वयम्* अवश्यमेव संस्कृतभाषया लेखनीयम्।

অধোলিখিত তিনটি বিভাগ হতে কমপক্ষে *একটি* করে প্রশ্ন নিয়ে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। তন্মধ্যে *দুইটি* প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

'क' विभाग:
'ক' বিভাগ

मातृभाषया अनुवाद: कार्य:।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।

(a) स लक्ष्मणं लक्ष्मण पूर्वजन्मा,
विलोक्य लोकत्रयगीत कीर्ति:।
सौम्येति चाभाष्य यथार्थभाषी,
स्थितं निदेशे पृथगादिदेश।।

अथवा,

ततोऽभिषङ्गानिलविप्रबिद्धा,
प्रभ्रश्यमानाभरणप्रसूना।
स्वमूर्तिलाभप्रकृतिं धरित्रीं,
लतेव सीता सहसा जगाम।। 5

(b) तथापि जिह्म: स भवज्जिगीषया,
तनोति शुभ्रं गुण सम्पदा यश:।
समुन्नयन् भूतिमनार्यसङ्गमाद्–
वरं विरोधोऽपि समं महात्मभि:।।

अथवा,

निरत्ययं साम न दान वर्जितं,
न भूरिदानं विरहय्य सत्क्रियाम्।
प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी,
गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया।। 5

'ख' विभाग:
'খ' বিভাগ

सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या। 5×1=5
সরল সংস্কৃতে প্রসঙ্গ নির্দেশপূর্বক ব্যাখ্যা করো।

(a) अवैमि चैनामनघेति किन्तु,
लोकापवादो बलवान् मतो मे।
छाया हि भूमे: शशिनो मलत्वे–
नारोपिता शुद्धिमत: प्रजाभि:।।

अथवा,

कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे,
जितां सपत्नेन निवेदयिष्यत:।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं,
प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिण:।।

(b) संस्कृतेन भावसम्प्रसारणं विधेयम् : 5

সংস্কৃত ভাষায় ভাবসম্প্রসারণ করো ঃ

यशोधनानां यशोगरीय:

अथवा,

हितं मनोहारि च दुर्लभं वच:

'ग' विभाग:

'গ' বিভাগ

(a) टीका लेख्या। 5

টীকা লেখো।

शिशुपालवधम्

(b) कुमारसम्भवस्य आख्यानभाग: संक्षेपेण विव्रियताम्। 5

কুমারসম্ভবের আখ্যানভাগ সংক্ষেপে বিবৃত করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं दीयताम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) सीतापरित्यागे अवरजान् उद्दिश्य रामचन्द्रस्य वक्तव्यं स्वभाषया प्रतिपाद्यताम्।

সীতাপরিত্যাগ বিষয়ে ভ্রাতাদের উদ্দেশ্যে কথিত রামচন্দ্রের উক্তিগুলি নিজ ভাষায় লেখো।

(b) पाठ्यांशमनुसृत्य दुर्योधनस्य राज्यशासनपद्धति: सम्यगालोच्यताम्।

পাঠ্যাংশ অনুসরণে দুর্যোধনের রাজ্যশাসন পদ্ধতি সম্যক্ আলোচনা করো।

(c) कालिदासविरचितदृश्यकाव्यानां परिचय: प्रदीयताम्।

কালিদাস বিরচিত দৃশ্য কাব্যগুলির পরিচয় দাও।

(d) नारिकेलफलसम्मितं वचो भारवे: — इत्युक्ते: याथार्थ्यं यथाग्रन्थं निरूप्यताम्।

নারিকেলফলসম্মিতং বচো ভারবে: — মন্তব্যের যথার্থতা নিরূপণ করো।